पाठ-16

चिट्ठी का सफर

“देखो एक डाकिया आया,
साथ में अपना थैला लाया
खाकी टोपी, खाकी वर्दी,
अन्दर उसने चिट्ठी दे दी।
संदेशा शादी का आया,
उसमें हम सबको है बुलाया।
सब शादी में जायेंगे।
खूब मिठाई खाएँगे।”

1. कविता में चिट्ठी क्या संदेश लेकर आई है?

____

____

2. चिट्ठी कौन लेकर आया?

____

3. आपके मोहल्ले में कहाँ-कहाँ से चिट्ठियाँ आती हैं?

____

क्या आपको पता है, चिट्ठी एक जगह से दूसरी जगह कैसे पहुँचती है?आइए। एक ऐसी ही चिट्ठी के सफर के बारे में जानते हैं, जिसे शबनम ने अपनी दोस्त सपना को लिखी।

fpVBh dk lQj %

मैं हूँ एक चिट्ठी। जिसे शबनम ने सपना को लिखी। लिखकर उसने मुझे पत्र–पेटी में डाला। डाकिए ने मुझे निकालकर एक बड़े से थैले में डाला। मैं हो गई डाकिए की साइकिल पर सवार और पहुँची डाकघर। वहाँ मुझे थैले से निकाला और मुझ पर एक जोर का ठप्पा लगाया। ठप्पा था आरा का। और यहाँ से शुरू हुआ मेरा सफर।

ठप्पे के बाद पहुँची मैं दूसरे थैले में। इसमें अनेक चिट्ठियाँ थीं, ये सब पटना जा रही थीं। डाकघर की लाल गाड़ी से मैं रेलवे–स्टेशन पहुँची। वहाँ से मैं पटना जानेवाली रेलगाड़ी में चढ़ी।

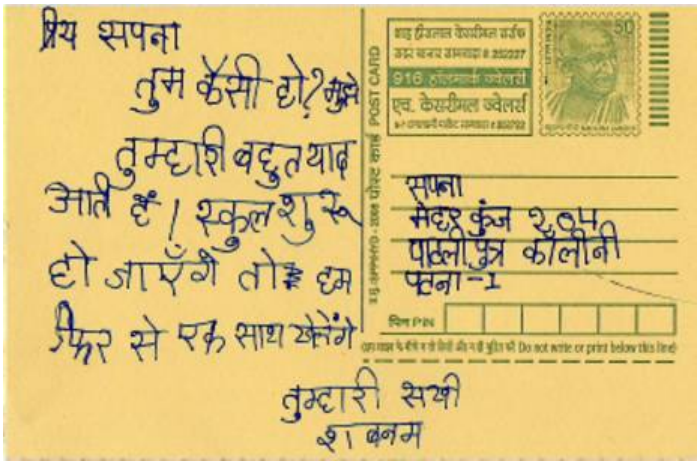

दो घंटे के बाद मैं पटना पहुँची । वहाँ के डाकघर में पत्र पर लिखे पते के अनुसार फिर से हुई मेरी छँटाई और फिर लगा ठप्पा। इसके बाद डाकिये ने मुझे सपना के घर पहुँचा दिया।

4- uhps jhuk dh fpV~Bh dk lQj fp=ksa esa fn;k x;k gSA ij ;s lkjs vkxs&ihNs gks x, gSaA buds Øe lkfp, vkSj mlds vuqlkj fp=ksa ds uhps lgh uEcj Mkfy,A

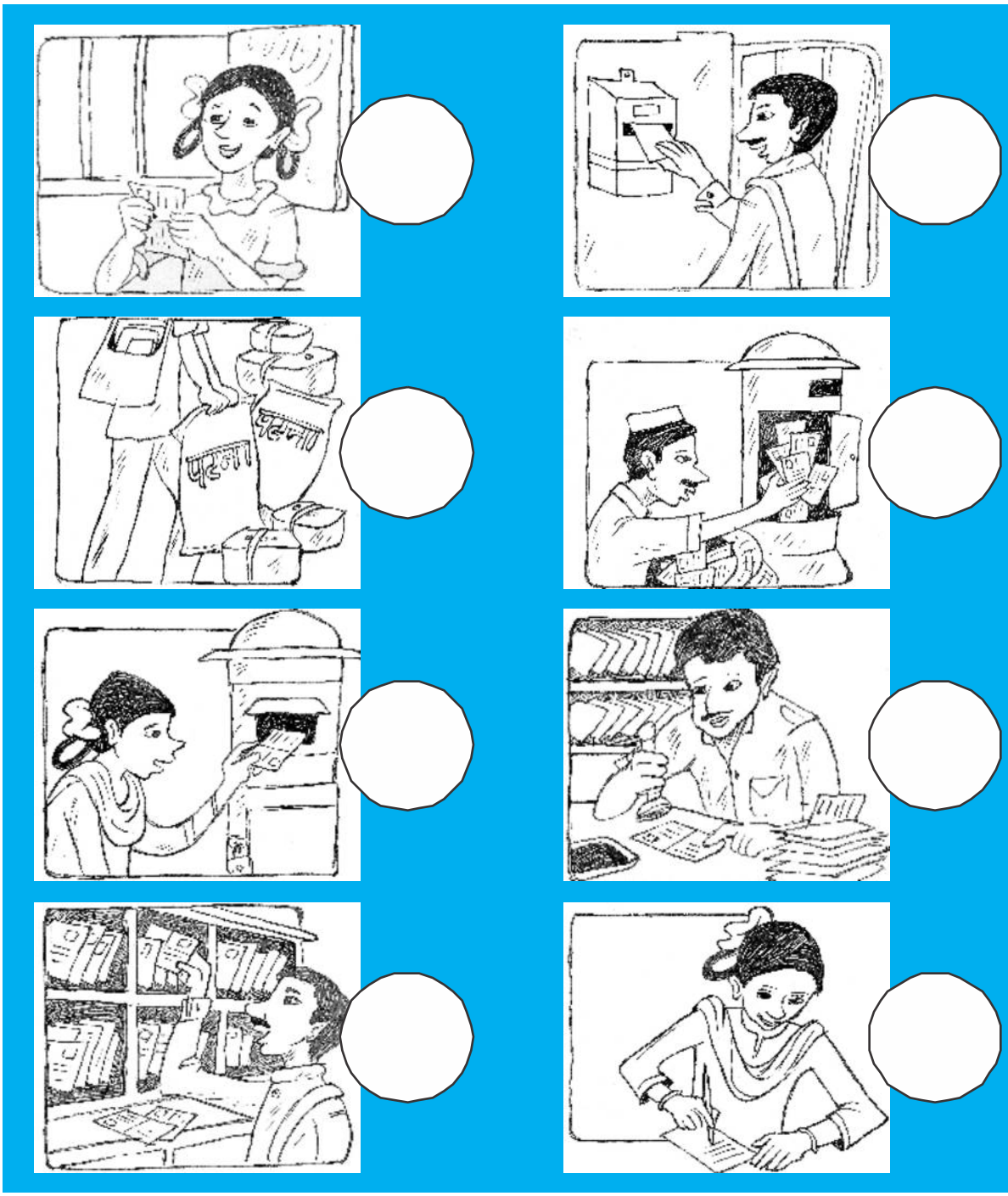

vki Hkh fpVBh fyf[k, %

क्या आपने कभी चिट्ठी लिखी है, जैसे शबनम ने अपनी दोस्त सपना को लिखी। एक चिट्ठी आप अपनी कक्षा में किसी दोस्त को लिखिए। और हाँ! चिट्ठी के ऊपर अपने दोस्त का नाम जरूर लिखिएगा।

सब ने चिट्ठी तो लिख दी, पर डालेंगे किसमें?

1. कूट का एक डिब्बा लीजिए।
2. डिब्बे को लाल रंग से रंग दीजिए या उस पर लाल कागज चिपका दीजिए।
3. अब डिब्बे के ढक्कन को कैंची से इतना काटिए कि चिट्ठी उसमें चली जाए।

   लो हो गई तैयार पत्र–पेटी :

आप सभी एक–एक करके अपनी लिखी चिट्ठियाँ इस पत्र–पेटी में डाल दीजिए। अब एक बच्चा डाकिया बनकर पत्र–पेटी से सभी चिट्ठियों को निकाले एवं बच्चों को उनकी चिट्ठियाँ बाँट दें।

अच्छा लगा दोस्त की चिट्ठी पढ़कर?

fpfVB;k o mudk fVdV %

4- tSls vkius viu s nksLr dks fpVBh fy[kh oSls gh vkids ?kj ij Hkh nksLr ,oa fj'rsnkjksa dh fpfVB;k Hkh vkrh gksaxhA ?kj ls ,slh dqN fpfVB;ksa dks bdVBk djds nsf[k,A

(i) क्या सभी चिट्ठियों पर टिकट लगे हैं?

____

(ii) क्या सभी टिकट एक जैसे हैं?

____

(iii) उनमें क्या अंतर हैं?

____

(iv) क्या सभी चिट्ठियों पर डाकघर का ठप्पा लगा है? यदि हाँ, तो कितने ठप्पे लगे हैं?

(v) इकट्ठी की हुई चिट्ठियों पर लगे टिकटों को ध्यान से अलग कीजिए व नीचे चिपकाइए।

5- ,d LFkku ls nljs LFkku rd lns'k igqpkus ds vkSj D;k&D;k rjhds gks ldrs gSa

____

____

6- bu fpfVB;ksa ds vykok D;k Mkfd;k dqN vkSj Hkh ykrk gS

____

____

चिट्ठियों के अलावा हम लोग तार, मोबाईल, फोन, ई–मेल से भी संदेशे भेजने लगे हैं। इन साधनों से संदेशे बहुत जल्दी पहुँचते हैं।

7- vkidks lns'k Hkstus dk dkSu&lk rjhdk vPNk yxrk gS

____

____

CCC